Downloaded From : http://cbseportal.com/

अत्यंत गोपनीय – केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

जुलाई, 2016–17

अंक –योजना – हिन्दी 'ऐच्छिक' कोड संख्या 29/1, 29/2, 29/3

सामान्य निर्देश – मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए –

1. अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक है। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
2. मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके, अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
3. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
5. यदि परीक्षार्थी ने किसी अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर भी लिख दिया है तो अपेक्षाकृत अच्छे उत्तर पर अंक देकर दूसरे अतिरिक्त उत्तर को काट दिया जाए।
6. संक्षिप्त, परंतु उपयुक्त विवेचन के साथ, प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की अपेक्षा है।
7. बार–बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटे जाएँ।
8. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 – का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक दिए जाने चाहिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

परीक्षा – जुलाई, 2016–2017

अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'

कक्षा – XII कूटबंध – 29/1
29/2
29/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				खंड 'क'	
1.	1.	2.	1.	अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–	15
	क	क	क	• लोक कलाओं का महत्व • संस्कृति और लोक कलाएँ (अन्य उपयुक्त शीर्षक पर अंक दिए जाएँ)	1
	ख	ख	ख	• श्रमपूर्ण कार्यों की थकान दूर करने के लिए संगीत का उपयोग • पेड़ काटना, नाव चलाना, बोझ उठाना या चक्की पीसना जैसे कार्यों में लोक संगीत का उपयोग कर आंतरिक ऊर्जा का संचार किया जाता था।	1+1=2
	ग	ग	ग	• श्रम के काम में लोक संगीत का उपयोग • जन्म, विवाह आदि अवसरों पर गीत, नृत्य एवं चित्रांकन • धार्मिक क्रियाओं में भी लोक कलाओं का उपयोग	1+1=2

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
	घ	घ	घ	• अल्जीरिया और भीमबेटका में आदि–मानवों द्वारा रचित चित्रकला के नमूने • इन प्रारंभिक कला रूपों में सौंदर्य और आकर्षण	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• लोक जीवन की विभिन्न स्थितियों एवं क्रियाओं से इनकी उत्पति • मानव मन की अभिव्यक्ति का प्रभावी माध्यम	1+1=2
	च	च	च	• सिंधु या अन्य प्राचीन सभ्यताओं के विषय में प्रामाणिक तथ्यों की कमी • प्राचीन समाज और उनकी कला के बीच के जटिल संबंधों की पूरी जानकारी का अभाव	1+1=2
	छ	छ	छ	• मानव मन की तथा उसकी संस्कृति की विकास यात्रा को समझने में • तत्कालीन समाज के जीवन दर्शन और सामाजिक मूल्यों को समझने में (किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	2
	ज	ज	ज	• विभिन्न धार्मिक क्रियाओं में लोक कला के विभिन्न रूपों यथा गीत, संगीत, चित्रकला तथा मूर्तिकला का उपयोग	2

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
2.	2.	1.	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर–	1x5=5
	क	क	क	• पेड़ों के पीछे से छिप–छिपकर उगते हुए सूर्य की	1
	ख	ख	ख	• भोर होने से पहले चिड़ियों का कलरव • किसानों, औरतों, बच्चों–बेटियों के जत्थों का गेहूँ काटने/खेतों में काम करने जाना (किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	1
	ग	ग	ग	• घर के पिछवाड़े डालियों, पत्तियों में झिलमिलाता डूबता सूरज	1
	घ	घ	घ	• दुपहरी बेला में आम के बगीचे में बहती शीतल बयार • गाँव के बगीचे में झरते हुए पीले–पीले पत्तों की स्मृतियाँ	½+½=1
	ङ	ङ	ङ	• पतझड़ के बाद निकलने वाली कोंपलों को देखने की चाहत • नवीन कोंपले नव जीवन की / भविष्य की आशा का प्रतीक (किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				खंड – 'ख'	
3.	3.	3.	3.	किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित : • भूमिका/उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु 6 • भाषा एवं प्रस्तुतीकरण 2	10
4.	4.	5.	4.	पत्र–लेखन : • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 • विषय–वस्तु 3 • भाषा 1	5
5.	5.	4.	5.	प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर–	1X5=5
	क	क	क	किसी भी ऐसी ताजी घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रुचि हो और जिसका अधिक से अधिक लोगों पर प्रभाव पड़ रहा हो।	1
	ख	ख	ख	• छपे हुए शब्दों में स्थायित्व • अपनी जरूरत, गति एवं क्रम से पढ़ने की सुविधा	½+½=1
	ग	ग	ग	लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया – समाज एवं शासन संबंधी समस्याओं को उजागर कर समाधान ढूँढ़ना, व्यवस्था की निगरानी एवं पहरेदारी करना	1

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	घ	घ	घ	(किसी एक तथ्य का उल्लेख अपेक्षित) • समाचारों की अशुद्धियों को दूर करके उसे पठनीय बनाना • महत्व के अनुरूप समाचारों की जगह/क्रम एवं विस्तार तय करना • द्वारपाल की भूमिका	1
	ङ	ङ	ङ	(किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित) गहन छानबीन करके ऐसे तथ्यों और सूचनाओं को समाने लाना जिन्हें दबाने या छुपाने का प्रयास किया गया हो।	1
6.	6.	5.	6.	आलेख अथवा फीचर–लेखन : • प्रस्तुति 2 • विषय वस्तु 2 • भाषा 1	5
				खंड – 'ग'	
7.				काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या– संदर्भ (कवि और कविता का नाम) ½+½=1 पूर्वापर संबंध/प्रसंग 1 व्याख्या बिंदु 5 विशेष/काव्य सौंदर्य 1	8

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	7.	–	–	किसी अलक्षित सूर्य ....बिलकुल बेखबर। संदर्भ– ● कवि – केदारनाथ सिंह ● कविता – 'बनारस' प्रसंग – बनारस की प्राचीनता और आध्यात्मिकता का वर्तमान संदर्भों में उल्लेख व्याख्या बिंदु – ● समूचा शहर शताब्दियों से संस्कृति की उपासना में लीन ● शहर में भक्ति और मुक्ति के प्रयास चल रहे हैं। ● आधुनिकता की चकाचौंध और आर्थिक विकास की होड़ से परे/बेखबर है शहर ● आध्यात्मिकता की एक टाँग पर टिका शहर भौतिक विकास रूपी दूसरी टाँग से बेखबर है। विशेष – ● सरल एवं प्रवाहमयी खड़ी बोली ● मुक्त छंद, अतुकांत ● 'अर्घ्य' और 'टाँग' का प्रतीकात्मक प्रयोग ● तत्सम शब्दों का प्रयोग –	

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	–	7.	–	• 'अलक्षित', 'अर्घ्य' • दृश्य–बिम्ब जो है वह सुगबुगाता..................निचाट खालीपन। संदर्भ– • कवि – केदारनाथ सिंह • कविता – 'बनारस' प्रसंग – बनारस में वसंत ॠतु के आगमन का प्रभाव व्याख्या बिंदु– • बनारस में वसंत के आगमन का चित्रण • वसंत के प्रभाव से नई जागृति का अंकुर फूटना • वसंत के प्रभाव से पाषाण हृदय व्यक्तियों में भी कोमल भाव जागृत • भिखारियों और बंदरों में कुछ पाने की आशा का संचार विशेष– • सरल और प्रवाहमयी खड़ी बोली • मुक्त छंद, अतुकांत • देशज शब्दों का प्रयोग • गतिशील चाक्षुष बिम्ब	

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	–	–	7.	धीरे–धीरे होने की......................सैकड़ों बरस हो। संदर्भ– • कवि – केदारनाथ सिंह • कविता – 'बनारस' प्रसंग – बनारस शहर की बाहरी–भीतरी विशिष्टताओं का वर्णन व्याख्या बिंदु– • बनारस शहर की सामूहिक चेतना में धीरे–धीरे घटित होने का भाव मौजूद • यहाँ अन्य महानगरों के समान चकाचौंध वाली ज़िंदगी के लिए बेतहाशा भाग–दौड़ नहीं है। • बनारस की प्रत्येक घटना, गतिविधि एवं स्थिति में परिवर्तन की गति धीमी है। • धीमी गति की विशेषता के कारण ही बनारस संस्कृति के प्रतीकों को बचाकर रखने में सक्षम हो सका है। • बनारस में तुलसीदास की खड़ाऊँ, नाव और नदी अभी भी वैसे ही हैं जैसे पहले थे। विशेष – • सरल और प्रवाहमयी खड़ी बोली • मुक्त छंद, अतुकांत • गतिशील चाक्षुष बिम्ब	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• धीरे–धीरे – पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार • 'गंगा', 'तुलसीदास', जैसे पौराणिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ वाले शब्दों का प्रयोग	
8.	8.	9.	8.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित –	3+3=6
	क	क	क	• दीप अर्थात व्यक्ति सर्वगुण सम्पन्न होकर भी अकेला है। • व्यष्टि से ही समष्टि निर्माण तथा व्यष्टि के समष्टि में विलय से ही उसकी महत्ता और सार्थकता • व्यक्ति द्वारा अपने विशिष्ट गुणों का समाज/राष्ट्र हित में उपयोग करके	3
	ख	ख	ख	• युधिष्ठिर की कथा के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया है कि सत्य की पहचान कठिन, क्योंकि सत्य परिवर्तनशील होता है। • सत्य के प्रति संशयात्मक स्थिति बनी रहती है। • युधिष्ठिर जैसा संकल्प लेकर प्रत्येक स्थितियों में दृढ़ रहकर ही सत्य के अनुभव को पाया जा सकता है। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1½+½ =3

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	ग	ग	ग	• आत्म–परिताप करते भरत राम के वन गमन एवं उससे हुए कष्टों के लिए स्वयं को ही दोषी मानते हैं। • भरत जानते हैं कि श्रीराम कोमल, कृपालु और भातृप्रेम से युक्त है जो किसी के भी मन को दुखी नहीं करते। • श्रीराम के समक्ष अपने दोषों को स्वीकार करते हुए भरत अत्यंत भावुक होते हैं।	3
9.	9.	8.	9.	किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य– काव्य सौंदर्य– • भाव सौंदर्य – 1 • शिल्प सौंदर्य – 2	3+3=6
	क	क	क	टूटहिं बुंद....................................होइ डोरा।। भाव सौंदर्य– • माघ के महीने में विरह संतप्त रानी नागमती की मनोदशा का मार्मिक चित्रण • नागमती की आँखों से निकलने वाले आँसू शीत के प्रभाव से ओलों के समान प्रतीत होते हैं। • विरहाकुल नागमती श्रृंगारविहीन है क्योंकि वह स्वयं हार के डोरे के समान पतली हो गई है। (किसी एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				शिल्प सौंदर्य– • भाषा – अवधी • छंद – चौपाई • रस – वियोग श्रृंगार • 'टूटहिं बुंद परहिं जस ओला' में उत्प्रेक्षा अलंकार, 'पहिर पटोरा' में अनुप्रास अलंकार तथा संपूर्ण वर्णन में अतिशयोक्ति अलंकार	
	ख	ख	ख	ऊँचे तरुवर से ....चली गई।	
				भाव सौंदर्य– • प्रकृति में आए परिवर्तन वसंत ऋतु के आगमन की जानकारी देते हैं। • रोजमर्रा की बँधी जिंदगी में ऐसे परिवर्तनों को समझने का अवकाश नहीं शिल्प सौंदर्य– • खड़ी बोली हिन्दी • छंद मुक्त, अतुकांत • 'पियराए', 'फिरकी' जैसे देशज शब्दों का प्रयोग • 'बड़े–बड़े' – पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, 'फिरकी–सी आई' – उपमा अलंकार, 'गरम पानी से नहाई हवा' – मानवीकरण अलंकार, 'पियराए पत्ते' – अनुप्रास अलंकार	

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
10.	ग	ग	ग	हेम कुंभ ले उषा...........................रजनी भर तारा। भाव सौंदर्य– • उषाकालीन प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण • उषा रूपी सुंदरी आकाश में स्थित सुखों को स्वर्ण कुंभ में भर सूर्य किरणों द्‌वारा जन जीवन पर बरसा देती है। शिल्प सौन्दर्य– • खड़ी बोली हिन्दी • मुक्त छंद, अतुकांत • रूपक अलंकार, उषा का मानवीकरण, अनुप्रास अलंकार सप्रसंग व्याख्या – संदर्भ (लेखक व पाठ का नामोल्लेख) – 1 पूर्वापर प्रसंग – 1 व्याख्या बिंदु – 4	6
	10.	–	–	दुरंत जीवन शक्ति...........................तो जी रहा है। संदर्भ– • पाठ – 'कुटज' • लेखक – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी प्रसंग – जीवन जीने के प्रति दृष्टिकोण	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				व्याख्या बिंदु– • जीवन शक्ति से जीते हुए जीने को एक कला और तपस्या के रूप में देखना • जीवन का उत्साह एवं उमंग से जीना महत्वपूर्ण लेकिन कोई उद्देश्य अवश्य होना चाहिए • संसार अपने स्वार्थ के लिए जीता है लेकिन यह बड़ी बात नहीं है। विशेष– • खड़ी बोली • विचारात्मक शैली • तत्सम शब्दावली	
	–	11.	–	चारों ओर कुपित...........................जीवनी शक्ति है। संदर्भ– • पाठ – 'कुटज' • लेखक – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी प्रसंग – कुटज की जिजीविषा का वर्णन व्याख्या बिंदु– • ग्रीष्म की लू एवं शुष्क धरती में भी फूल खिलाने वाला ठिगना पौधा कुटज है। • प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हरा–भरा और सरस बने रहने और विचलित न होने का गुण	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• जीवन की मुश्किलों के समक्ष निरंतर कर्मशील और संघर्षरत रहना	
	–	–	10.	एक बार अपने..........................उल्लास खींच लो। संदर्भ– • पाठ – 'कुटज' • लेखक – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी प्रसंग – कुटज की विशेषताओं और जिजीविषा का वर्णन व्याख्या बिंदु– • कुटज शिवालिक की पहाड़ी की शुष्क चट्टानों पर खिलनेवाला एक ठिगना पौधा • विपरीत जीवन स्थितियों में भी कर्मशील और संघर्षशील रहकर जीना • प्रतिकूल परिस्थितियों में जीते हुए भी प्रसन्नता एवं उल्लास को बनाए रखना • अपराजेय जीवनी शक्ति	
11.	11. क	10. क	11. क	किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित – • मनोकामना की गाँठ पारो और संभव दोनों ही बाँधते हैं।	4+4=8

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• संभव और पारो के हृदय में प्रेम का स्फुरण • मंसादेवी से मन्नत पूरी करने की कामना करना और वहीं दोनों का मिलना • मनोकामना की गाँठ के तुरंत प्रभाव को स्वीकारते हुए पुनः मंसादेवी जाने की कामना	4
	ख	ख	ख	• ब्रज मोहन व्यास (लेखक) ने स्वयं के संदर्भ में कहा। • पुरातात्विक वस्तुओं के संग्रह का शौक • कौशांबी से लौटते समय लेखक अपना लोभ संवरण नहीं कर सका और एक गाँव से भगवान शिव की मूर्ति उठा लाया।	4
	ग	ग	ग	• वैदिक काल के हिन्दुओं में लॉटरी पद्धति से विवाह योग्य कन्या का चुनाव करने की परंपरा • कन्या के समक्ष विभिन्न स्थानों से लाए गए मिट्टी के ढेले रखना • कन्या द्वारा चुने गए ढेले के आधार पर ही विवाह का निर्णय करना • आकाश में घूम रहे ग्रहों – मंगल, शनिचर आदि के आधार पर शुभ–अशुभ तथा शादी–विवाह आदि का निर्धारण	4

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
12.	12.	12.	12.	• जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में अंधविश्वास और पाखण्ड का प्रभाव <u>जीवन परिचय</u> • संक्षिप्त जीवन परिचय 2 • रचनाएँ (दो का उल्लेख अपेक्षित) 1 • साहित्यिक विशेषताएँ एवं योगदान 3 **<u>रामचन्द्र शुक्ल</u>** जन्म एवं जीवन परिचय– • उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के अगोना गाँव में जन्म • प्रारंभिक शिक्षा उर्दू, अंग्रेजी और फारसी में, इंटरमीडिएट तक विधिवत् शिक्षा • उच्चकोटि के आलोचक, इतिहासकार और साहित्य–चिंतक रचनाएँ– हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी शब्द सागर की भूमिका, चिंतामणि (चार खंड), रस–मीमांसा, गोस्वामी तुलसीदास, सूरदास आदि साहित्यिक विशेषताएँ एवं योगदान – • विवेचनात्मक शैली	6

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• साहित्यिक मानदण्डों का निर्धारण • व्यंग्य और विनोद का प्रयोग • जीवंत और प्रभावशाली गद्‌य • व्यापक शब्द चयन और शब्द संयोजन • तत्सम् शब्दों से लेकर प्रचलित उर्दू शब्दों का प्रयोग • इतिहास लेखन एवं निबंध लेखन विधा में महत्वपूर्ण अवदान **<u>भीष्म साहनी</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • रावलपिंडी में जन्म। गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. और पंजाब विश्वविद्‌यालय से पीएच.डी.। • अध्यापन कार्य अंबाला कॉलेज, खालसा कॉलेज (अमृतसर), जाकिर हुसैन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)। • 'विदेशी भाषा प्रकाशन गृह' मास्को में भाषा के अनुवादक रहे। • 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हिन्दी अकादमी ने उन्हें 'शलाका सम्मान' से सम्मानित किया।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				रचनाएँ – 'भाग्य रेखा', 'भटकती राख', 'पहला पाठ', 'वाङ्‌च पटरियाँ', 'शोभा यात्रा', 'निशाचर', 'डायन', 'पाली' (कहानी संग्रह), 'हानूश', 'माधवी', 'मुआवजे', 'कबिरा खड़ा बाजार में' (नाटक), 'गुलेल का खेल' (बालोपयोगी कहानियाँ) आदि। नई कहानियों के कुशल सम्पादक। साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा–शैली में पंजाबी भाषा की सोंधी–सोंधी महक • कथा भाषा में उर्दू शब्दों का सहज प्रयोग • छोटे–छोटे वाक्यों का सफल प्रयोग करके विषय को रोचक एवं प्रभावी • संवादों का सटीक प्रयोग वर्णन में ताजगी ला देता है।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**<u>विद्यापति</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • बिहार के मधुबनी जिले के बिस्पी गाँव में, चौदहवीं शताब्दी। • विद्यापति मिथिला नरेश राजा शिवसिंह के अभिन्न मित्र, राजकवि व सलाहकार थे।	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• कुशाग्र बुद्धि एवं तर्कशील। • साहित्य, संस्कृत, संगीत, ज्योतिष, इतिहास, दर्शन, न्याय और भूगोल के प्रकांड पंडित थे। • संस्कृत, अवहट्ट तथा मैथिली भाषा में रचना। रचनाएँ– 'कीर्तिलता', 'कीर्तिपताका', 'पुरुष–परीक्षा', 'भू–परिक्रमा', 'पदावली' आदि। साहित्यिक विशेषताएँ– • लोक भाषा में साहित्य रचना, हिन्दी के आदि कवि कहे जाते हैं। • उनके पद मिथिला क्षेत्र के लोक–व्यवहार एवं अनुष्ठानों में पूरी तरह रच–बस गए हैं। • भक्ति और श्रृंगार को एक साथ साधने का गुण • अद्वितीय रचना कौशल, प्रतिभा और कल्पनाशीलता • पदों में प्रेम और सौंदर्य की निश्चल अभिव्यक्ति	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				अथवा **<u>सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला</u>** जन्म एवं जीवन परिचय– • सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का जन्म बंगाल के मेदिनीपुर जिले के महिषादल गाँव में। • दुखमय पारिवारिक जीवन – पत्नी, पिता, चाचा और बाद में पुत्री सरोज की असामयिक मृत्यु देखी। • मतवाला पत्रिका के साथ कार्य किया। रचनाएँ– • 'अनामिका', 'परिमल', 'गीतिका', 'तुलसीदास', 'कुकुरमुत्ता', 'अणिमा', 'नए पत्ते', 'बेला', 'अर्चना', 'बिल्लेसुर बकरिहा', 'इरावती' आदि साहित्यिक विशेषताएँ– • छायावाद के शीर्ष कवि • मुक्त छंद के प्रवर्तक • प्रगतिवाद और नई कविता आंदोलन के प्रणेता कवि • भाव एव शिल्प दोनों ही स्तर पर परिवर्तन एवं विद्रोह की अभिव्यक्ति • साहित्य में बंधनों तथा समाज में सामंतवाद – साम्राज्यवाद का डटकर विरोध	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
13.	13.	13.	13.	भूप सिंह के जीवन से प्राप्त प्रेरणादायक मूल्य– • कठोर परिश्रम • कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की भावना • स्वाभिमान एवं खुद्दारी • संतोषी • पशुओं से आत्मीयता, परिवेश से लगाव • पुनर्निर्माण में विश्वास (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य, उदाहरण अपेक्षित)	5
14.	14.	14.	14.	दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–	5+5=10
	क	क	क	सूरदास का चरित्र– • सकारात्मक प्रवृत्ति • झोपड़ी जलाए जाने पर भी प्रतिशोध न लेना • पुनर्निर्माण में विश्वास • कर्मशील • क्षमा, परोपकार एवं अन्य मानवीय मूल्यों से युक्त • व्यक्तित्व में धैर्य, सहृदयता, संवेदनशीलता, आत्मविश्वास और आशावादिता जैसे गुण • संकल्प का धनी	5
	ख	ख	ख	• बिस्कोहर का सादा रहन–सहन • वहाँ की प्रकृति और उसमें आने वाले	

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				परिवर्तनों का जीवन पर प्रभाव • विभिन्न प्रकार की वनस्पति, हरी–भरी भूमि, जीव–जन्तु, फल–फूल–सब्जियाँ आदि की गंध एवं ध्वनियाँ • ग्रामीण जीवन के विविध प्रसंग, देशी इलाज के नुस्खे • गर्मी, बारिश, नदी–नाले, पोखर के दृश्यों की स्मृति • बिस्कोहर के साथ ही माँ की स्मृति, ममता के विविध प्रसंगों का जुड़ाव	5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE